PRC/PR/23/2025

MMRDA Secures ₹1500 Cr Loan for Ramabai Nagar Redevelopment; ₹8498 Cr Urban Transformation Gathers Momentum

Landmark Funding from Bank of Maharashtra Paves Way for MMRDA's First Slum Redevelopment Project

Mumbai, 20 May, 2025

The Mumbai Metropolitan Region Development Authority (MMRDA) has achieved a significant milestone in its mission to provide inclusive housing and sustainable urban infrastructure by securing a ₹1500 crore loan from Bank of Maharashtra for the redevelopment of Ramabai Ambedkar Nagar and Kamraj Nagar in Ghatkopar. This marks the first major financial closure for MMRDA's ₹8498 crore Slum Rehabilitation Authority (SRA) project—the Authority's first-ever direct foray into large-scale slum redevelopment.

Backed by the visionary leadership of Hon'ble Chief Minister Shri Devendra Fadnavis and Hon'ble Deputy Chief Minister & MMRDA Chairman Shri Eknath Shinde, this ambitious urban renewal project is aimed at transforming one of Mumbai's oldest and densest slum clusters into a dignified, well-planned residential zone.

To ensure the financial viability of the project, MMRDA has adopted a diversified funding strategy. Of the total project cost of ₹8,498 crore, ₹3,916 crore is to be raised through institutional loans. The ₹1,500 crore loan from the Bank of Maharashtra represents the first tranche in this funding plan. The agreement was executed. This not only facilitates the timely execution of Phase 1 but also underscores the robustness of MMRDA's financial planning and project execution capabilities.

Hon'ble Chief Minister Shri Devendra Fadnavis said

"This redevelopment project exemplifies our government's commitment to building an equitable, future-ready Mumbai where every citizen has the right opportunity to thrive. Our vision is to uplift communities by providing not just housing, but dignity and security — and we are relentlessly working towards this through active collaboration with institutions and executing agencies. The Government of Maharashtra has taken a decisive step in resolving

redevelopment challenges that have remained unresolved for decades. By establishing sustainable financial models, we are ensuring that even the most ambitious urban renewal projects are completed with transparency, speed, and long-term viability. This initiative is a reflection of our resolve to drive inclusive urban growth that leaves no community behind."

Hon'ble Deputy Chief Minister & MMRDA Chairman Shri Eknath Shinde

"The ₹1500 crore loan approval is a strong endorsement of the Government of Maharashtra and MMRDA's shared vision for transforming lives through infrastructure. This project will bring long-awaited change to thousands of families in Ramabai Nagar—ensuring better homes, better futures, and stronger communities."

Dr. Sanjay Mukherjee, IAS, Metropolitan Commissioner, MMRDA

"This is not just a redevelopment project—it is a blueprint for inclusive and self-sustaining urban renewal. By structuring the project with 46% funding through institutional loans and 39% via internal revenue mechanisms, MMRDA is ensuring fiscal discipline while delivering people-centric development. Ramabai Nagar's transformation will serve as a model for future SRA initiatives across the Mumbai Metropolitan Region."

रमाबाई नगर पुनर्विकासासाठी एमएमआरडीएला ₹१५०० कोटींचा कर्जपुरवठा; ₹८४९८ कोटींच्या झोपडपट्टी पुनर्विकास प्रकल्पाला गती

एमएमआरडीएच्या ५०वर्षाच्या ऐतिहासिक कारकिर्दीत पहिलाच पुनर्विकास प्रकल्प

मुंबई, २० मे, २०२५

मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाने (एमएमआरडीए) समावेशक गृहनिर्माण आणि शाश्वत नागरी पायाभूत सुविधांसाठीच्या आपल्या प्रयत्नांना मोठे यश मिळवले आहे. घाटकोपर येथील रमाबाई आंबेडकर नगर व कामराज नगर पुनर्विकासासाठी बँक ऑफ महाराष्ट्रकडून ₹१५०० कोटींचा कर्जपुरवठा मिळवण्यात आला

आहे. हा एमएमआरडीएचा पहिलाच थेट झोपडपट्टी पुनर्विकास प्रकल्प असून, एकूण ₹८४९८ कोटींच्या (झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण) प्रकल्पाच्या अर्थसंकल्पातील हे पहिले महत्त्वाचे आर्थिक संधारण (financial closure) ठरते.

मा. मुख्यमंत्री, श्री देवेंद्र फडणवीस व मा. उपमुख्यमंत्री आणि एमएमआरडीए अध्यक्ष श्री एकनाथ शिंदे यांच्या दूरदर्शी नेतृत्वाखाली हा महत्वाकांक्षी प्रकल्प जुने आणि अतिदाट वस्तीचा झोपडपट्टी समूह असलेल्या भागाचे सन्मानित आणि नियोजनबद्ध गृहनगरात रूपांतर करण्यासाठी तयार करण्यात आला आहे.

या प्रकल्पाच्या आर्थिक व्यवहार्यतेसाठी एमएमआरडीएने विविध स्त्रोतांद्वारे निधी उभारणीची रणनीती आखली आहे. एकूण ₹८४९८ कोटींच्या प्रकल्पापैकी ₹३९१६ कोटी कर्जाच्या माध्यमातून उभारण्यात येणार आहेत. यातील ₹१५०० कोटींचा पहिला हप्ता बँक ऑफ महाराष्ट्रकडून मंजूर झाला आहे. या कर्जाच्या करारावर स्वाक्षरी करण्यात आली असून, प्रकल्पाच्या पहिल्या टप्प्याच्या वेळेत अंमलबजावणीस यामुळे गती मिळणार आहे. यामुळे एमएमआरडीएच्या आर्थिक नियोजन व अंमलबजावणी क्षमतेवरही शिक्कामोर्तब झाले आहे.

मा. मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस म्हणाले:

"हा पुनर्विकास प्रकल्प म्हणजे समतोल, भविष्योन्मुख मुंबईकडे टाकलेलं एक महत्त्वाचं पाऊल आहे. सरकारचा उद्देश केवळ घरे देणं नाही, तर समुदायांना स्वतःचं जग उभारण्याची संधी देणं आहे. प्रत्येक नागरिकाला योग्य संधी मिळावी, यासाठी महाराष्ट्र शासन सातत्याने आणि जबाबदारीने काम करत आहे. अनेक वर्षांपासून प्रलंबित असलेल्या पुनर्विकासाच्या अडचणींवर आता ठोस पावले उचलली जात आहेत. एवढ्या मोठ्या प्रमाणावरच्या प्रकल्पांना यशस्वीपणे पूर्ण करता यावं यासाठी सरकारने शाश्वत आर्थिक मॉडेल तयार केलं आहे. ही केवळ योजना नाही, तर लोकांचा आत्मविश्वास परत मिळवण्याचा आणि एक समावेशक, न्याय्य शहरी विकास घडवण्याचा आमचा प्रयत्न आहे."

मा. उपमुख्यमंत्री व एमएमआरडीएचे अध्यक्ष, श्री. एकनाथ शिंदे म्हणाले,

“₹१५०० कोटींच्या कर्ज मंजुरीमुळे महाराष्ट्र शासन आणि एमएमआरडीएच्या सामाईक दृष्टिकोनावर भरवसा निर्माण झाला आहे. रमाबाई नगरमधील हजारो कुटुंबांच्या जीवनात हा प्रकल्प मोठा सकारात्मक बदल घडवून आणेल—त्यांना चांगली घरे, उज्ज्वल भविष्य आणि भक्कम भक्कम समाज निर्माण होईल.”

डॉ. संजय मुखर्जी, भा.प्र.से., महानगर आयुक्त, एमएमआरडीए म्हणाले,

“हा केवळ पुनर्विकास प्रकल्प नाही, तर समावेशक आणि स्वयंनिर्भर नागरी पुनरुत्थानाचा आराखडाच आहे. पूलावर खर्च होणाऱ्या एकूण निधीपैकी ४६% रक्कम संस्थात्मक कर्जाच्या माध्यमातून आणि ३९% अंतर्गत महसुलाच्या माध्यमातून उभारून एमएमआरडीए आर्थिक शिस्त

राखत आहे आणि लोककेंद्रीत विकास साधत आहे. रमाबाई नगरचा पुनर्विकास हा संपूर्ण महानगर प्रदेशासाठी आदर्श ठरेल"

एमएमआरडीए की पहली स्लम पुनर्विकास परियोजना का मार्ग हुआ मजबूत, बैंक से मिली ऐतिहासिक फंडिंग।

एमएमआरडीए ने मुंबई के रमाबाई नगर पुनर्विकास के लिए १५०० करोड़ का ऋण किया प्राप्त। ८४९८ करोड़ की शहरी परिवर्तन का प्रोजेक्ट पकड़ेगा रफ्तार। बैंक ऑफ महाराष्ट्र से एमएमआरडीए को हुई पहली फंडिंग।

मुंबई, २० मई, २०२५

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मुंबई के घाटकोपर में रमाबाई अंबेडकर नगर और कामराज नगर के पुनर्विकास के लिए बैंक ऑफ महाराष्ट्र से प्राप्त १५०० करोड़ का लोन मुंबई के शहरी परिवर्तन, साथ ही मुंबई के आवासीय विकास और टिकाऊ शहरी बुनियादी ढांचा और उसके मजबूती वाले मिशन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एमएमआरडीए की ८४९८ करोड़ की मुंबई में स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) परियोजना के लिए ये पहली बड़ी वित्तीय सहायता राशि है , जिससे प्राधिकरण का स्लम पुनर्विकास में पहला सबसे बड़ा प्रयास शुरू होगा।

मुंबई के इस महत्वाकांक्षी शहरी नवीनीकरण परियोजना को मिल रही गति के लिए महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और माननीय उप मुख्यमंत्री और एमएमआरडीए के अध्यक्ष श्री एकनाथ शिंदे के दूरगामी विकास वाले विजन और मिशन को सबसे बड़ा श्रेय जाता है।

मुंबई के सबसे पुराने और सबसे घनी झुग्गी बस्तियों का आवासीय नवीनीकरण हो। यह बस्तियां आवासीय योजना की सभी सुविधाओं से लैस हो। यहां रहने वाले लोग अपने परिवार के साथ स्वच्छता और सुव्यवस्था के बीच गुजारे। स्लम के नवीनीकरण के बाद लोगों के ऐसे घर का सपना पूरा हो जिसे देखकर वह गर्व से कहें कि

वह देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में रहते हैं । यही माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस और माननीय उपमुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे के दूरगामी नेतृत्व का उद्देश्य है और सपना भी।

मुंबई की सूरत बदलने वाले इस प्रोजेक्ट के लिए किस तरह से विभिन्न वित्तीय सहायता ली जाएगी और उसका उपयोग कैसे होगा, उसकी एक रणनीति भी एमएमआरडीए ने तैयार किया है। ८,४९८ करोड़ की कुल परियोजना लागत में से, ३,९१६ करोड़ विभिन्न वित्तीय संस्थानों से ऋण के माध्यम से जुटाए जाने हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र से ₹१,५०० करोड़ का ऋण इस वित्तपोषित योजना की पहली वित्तीय ऋण का प्रथम हिस्सा है । इसके साथ ही समझौते पर हस्ताक्षर किए जा चुके है। इस योजना के प्रथम चरण की ये वित्तीय मजबूती वाली शुरुआत मानी जा रही है। जो इस योजना को गति प्रदान करेगी। साथ ही ये एमएमआरडीए योजना और परियोजना को कैसे आगे बढ़ाया जा रहा है ,उसकी क्षमताओं और योग्यता को भी जाहिर करता है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस के विजन वाली यह पुनर्विकास परियोजना जहां मुंबई के नए भविष्य की तस्वीर तय कर रही वही मुंबई वासियों से उनके किए गए वादों को पूरा करने का एक उदाहरण है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा:

"यह पुनर्विकास परियोजना हमारी सरकार की उस सोच का प्रतीक है, जो एक समावेशी और भविष्य के लिए तैयार मुंबई का निर्माण करना चाहती है। हमारा उद्देश्य सिर्फ मकान देना नहीं, बल्कि समुदायों को आत्मसम्मान और स्थायित्व देने का है। सरकार लगातार इस दिशा में काम कर रही है ताकि हर नागरिक को सही अवसर मिल सके। महाराष्ट्र सरकार ने दशकों से लंबित पुनर्विकास की समस्याओं को हल करने के लिए एक ठोस कदम उठाया है। ऐसे बड़े और जटिल प्रोजेक्ट्स को समयबद्ध और सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए हमने एक स्थायी और व्यावहारिक वित्तीय मॉडल तैयार किया है। यह सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि समाज को सशक्त करने और सभी को साथ लेकर चलने की दिशा में हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।"

माननीय उपमुख्यमंत्री और एमएमआरडीए के अध्यक्ष श्री एकनाथ शिंदे का मानना है कि

"१५०० करोड़ रुपये के लोन की स्वीकृति महाराष्ट्र सरकार और एमएमआरडीए के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को बेहद मजबूती प्रदान करेगा। यह मुंबई के रमाबाई नगर में लंबे से रहने वाले लोगों में अविश्वसनीय बदलाव लाएगी - उन्हें बेहतर घर, बेहतर मोहल्ला और बेहतर भविष्य का एहसास कराएगी"

डॉ. संजय मुखर्जी, आईएएस, महानगर आयुक्त, एमएमआरडीए कहते है कि

"यह केवल एक पुनर्विकास परियोजना नहीं है बल्कि सभी को साथ लेकर आत्मनिर्भर शहरी नवीनीकरण की एक बेहतरीन योजना है। विभिन्न संस्थाओं के वित्तीय ऋणों के माध्यम से ४६%

और सरकारी राजस्व के माध्यम से ३९% प्राप्त वित्तीय सहायता इस परियोजना की संरचना को मजबूती देती है। यही वजह है कि एमएमआरडीए लाभार्थी लोगों को इस बहुप्रतीक्षित योजना के लिए सुनिश्चित करता है। साथ ही मुंबई के रमाबाई नगर का नवीनीकरण और वहां होने वाला परिवर्तन, मुंबई महानगर क्षेत्र के लिए एक ऐसा मॉडल तैयार करेगा जो स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) की योजनाओं को विश्वसनीयता और मजबूती देगा।”